सौ दिन में राजस्थान के शहरों की सूरत बदलें- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने नव निर्वाचित महापौर, सभापति व अध्यक्षों से शहरों के विकास पर संवाद किया

जयपुर, 5 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नगरीय निकायों के नवनिर्वाचित महापौर, सभापति और अध्यक्षों के साथ शहरों के विकास और व्यवस्थाओं को लेकर 100 दिवसों के रोडमैप पर संवाद किया। इस दौरान उन्होंने दीपावली से पहले शहरों की सफाई, सड़क, बिजली, स्ट्रीट लाइट, सीवरेज, नालियों, रंग-रोगन एवं सौन्दर्यीकरण से जुड़े सभी कार्य एक माह में पूरा करने के निर्देश दिए।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि दीपावली से पहले शहरों की सफाई, सड़क, बिजली, स्ट्रीट लाइट, सीवरेज, नालियाँ व रंग रोगन एवं सौंदर्यीकरण से जुड़े सभी कार्य एक माह में पूरा करें।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नगरीय निकायों के नवनिर्वाचित महापौर, सभापति और अध्यक्षों के साथ संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को बेहतर नगरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के क्रम में शहरों का योजनाबद्ध विकास सुनिश्चित किया जाए। सफाई, कचरा संग्रहण एवं निस्तारण, सड़क, जलभराव, स्ट्रीट लाइट, सौंदर्यीकरण, पार्कों के रखरखाव, आवारा पशुओं की समस्या, अतिक्रमण, सीवरेज व्यवस्था सहित, अन्य जनसमस्याओं पर विशेष ध्यान देते हुए स्थानीय स्तर पर इनका त्वरित समाधान करें और 100 दिन में राजस्थान के शहरों की सूरत बदलें।

नगरीय निकायों में प्रतिनिधित्व एक पद नहीं, बल्कि जनसेवा का मिशन है। जनप्रतिनिधियों को जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्वाचित निकाय प्रमुखों को जन आकांक्षाओं पर खरा उतरना है। जनता ने विकास के लिए शहरी सरकारें बनाई हैं, इसलिए जनता को परिवर्तन का अहसास होना ही चाहिए। मुख्यमंत्री ने पार्षदों से वार्ड की सीमाओं से ऊपर उठकर पूरे शहर के विकास की सामूहिक सोच के साथ काम करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि सड़क, सीवरेज और अन्य सुविधाओं की प्लानिंग वार्डवार नहीं, बल्कि पूरे शहर की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर होनी चाहिए।

बैठक में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, नगर निगमों के महापौर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। नगर निकायों के उप महापौर, सभापति, उप सभापति, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष वीसी के माध्यम से जुड़े।

आज़ादी के बाद पहली बार असम में बांग्लादेश मालवाहक पोत रवाना हुआ

नई दिल्ली/डिब्रूगढ़ , 05 अक्टूबर। असम के डिब्रूगढ़ स्थित बोगीबील टर्मिनल से आजादी के बाद पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय गंतव्य के लिए मालवाहक जहाज रवाना किया गया। केन्द्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने 540 मीट्रिक टन मेथेनॉल लदे पोत को हरी झंडी दिखाकर बांग्लादेश के ढाका के लिए रवाना किया। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा आभासी माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।

- इस पोत से 540 मीट्रिक टन मेथेनॉल ढाका भेजा गया है।

केन्द्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने बताया कि यह मेथेनॉल राज्य की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी असम पेट्रो-केमिकल्स लिमिटेड द्वारा नामरूप में उत्पादित किया गया है। मालवाहक पोत बोगीबील से ढाका के पांगांव बंदरगाह तक लगभग 1,300 किलोमीटर की यात्रा करेगा। इसमें भारत में ब्रह्मपुत्र नदी के राष्ट्रीय जलमार्ग-2 पर लगभग 768 किलोमीटर का मार्ग और उसके बाद भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग शामिल है।

सोनोवाल ने कहा कि डिब्रूगढ़ कभी पूर्वी भारत के सबसे व्यस्त नदी बंदरगाहों में गिना जाता था। 70 वर्षों तक यहां स्टीमर की सीटी खामोश रही, लेकिन आज डिब्रूगढ़ से एक बार फिर दुनिया की ओर जहाज रवाना हो रहा है। उन्होंने इसे असम और पूर्वोत्तर भारत के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया।

काल डीज़रॉथ, पीटर हेगमान और गेऑर्ग नेगल को संयुक्त रुप से चिकित्सा का नोबेल

इन्हें यह सम्मान ऑप्टोजैनेटिक्स और लाइट गेटेड आयन चैनल्स में की गई खोजों के लिए दिया गया है

स्टॉकहोम, 05 अक्टूबर। कार्ल डाइसेरोथ, पीटर हेगमैन और जॉर्ज नागेल को प्रकाश-सक्रिय आयन चैनलों और ऑप्टोजेनेटिक्स से संबंधित खोजों के लिए वर्ष 2026 का चिकित्सा क्षेत्र का नोबेल पुरस्कार दिए जाने की सोमवार को घोषणा की गई। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम स्थित कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट की नोबेल असेंबली ने इसका ऐलान किया। पुरस्कार तीनों वैज्ञानिकों को संयुक्त रूप से प्रदान किया जाएगा।

- नोबेल असेम्बली ने कहा कि इन खोजों ने न्यूरो साईन्स में नए युग की नींव रखी है।

नोबेल असेंबली के अनुसार, इन वैज्ञानिकों की खोजों ने न्यूरोसाइंस के एक नए युग की नींव रखी है। इस वर्ष नोबेल पुरस्कार की राशि 1.2 करोड़ स्वीडिश क्रोना (लगभग 11.51 करोड़ रुपये) है। यह राशि तीनों विजेताओं के बीच समान रूप से बांटी जाएगी। नोबेल पुरस्कार विजेताओं को एक प्रशस्ति-पत्र और पदक भी प्रदान किया जाएगा।

तीनों वैज्ञानिकों को प्रकाश-सक्रिय आयन चैनलों और ऑप्टोजेनेटिक्स से संबंधित खोजों के लिए संयुक्त रूप से यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

पीटर हेगेमैन और जॉर्ज नागेल ने चैनलरोडोप्सिन प्रोटीन की खोज की। इसके बाद कार्ल डाइसेरोथ ने इस प्रोटीन को तंत्रिका कोशिकाओं के लिए प्रकाश-नियंत्रित स्विच में बदल दिया।

कार्ल डाइसेरोथ स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में बायोइंजीनियरिंग तथा मनोचिकित्सा एवं व्यवहार विज्ञान के डीएच चेन प्रोफेसर हैं। वे हॉवर्ड ह्यूजेस मेडिकल इंस्टीट्यूट में अन्वेषक भी हैं।

डाइसेरोथ ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री तथा स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से पीएचडी और एमडी की डिग्री प्राप्त की।

उन्होंने स्टैनफोर्ड में ही पोस्टडॉक्टोरल प्रशिक्षण, मेडिकल इंटर्नशिप और वयस्क मनोचिकित्सा में रेजिडेंसी पूरी की। वे अमेरिकन बोर्ड ऑफ साइकियाट्री एंड न्यूरोलॉजी से बोर्ड-प्रमाणित हैं।

पीटर हेगेमैन जर्मनी के बर्लिन स्थित हम्बोल्ट यूनिवर्सिटी ऑफ बर्लिन के जीवन विज्ञान संकाय के जीव विज्ञान विभाग में न्यूरोसाइंसेज के हर्टी सीनियर रिसर्च चेयर और प्रायोगिक जैवभौतिकी के प्रोफेसर हैं। उन्होंने मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट ऑफ बायोकैमिस्ट्री से पीएचडी की और सिराक्यूज यूनिवर्सिटी में पोस्टडॉक्टोरल शोध पूरा किया।

जॉर्ज नागेल जर्मनी के यूनिवर्सिटी ऑफ वुर्जबर्ग के वनस्पति विज्ञान विभाग में आणविक पादप शरीर क्रिया विज्ञान एवं जैवभौतिकी के प्रोफेसर हैं। उन्होंने 1988 में फ्रैंकफर्ट विश्वविद्यालय से पीएचडी की। उन्होंने मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट ऑफ बायोफिजिक्स में भी काम किया। इसके अलावा, वे येल यूनिवर्सिटी और रॉकफेलर यूनिवर्सिटी में पोस्टडॉक्टोरल फेलो रहे।

संशोधित फॉर्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामने पेश किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वे यह भी देखना चाहते हैं कि फॉर्म -6 में बदलाव किसने किया।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "बदले हुए फॉर्म- 6 को हमने मंजूरी नहीं दी है। यह बात साफ है।"

ईसीआई ने कहा है कि फॉर्म -6 में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आयोग का कहना है कि उसने केवल एक अतिरिक्त घोषणा (डिक्लरेशन) जोड़ी है, जिसका इस्तेमाल नए वोटर, "वोटर लिस्ट को ठीक करने की प्रक्रिया," यानी "स्पैशल इंटैंसिव रिविज़न" के लिए करेंगे।

प्र.मंत्री मोदी ने स्विस राष्ट्रपति को भारत में बनी तीन प्रकार की "चीज़" भेंट की

स्विट्ज़रलैंड चीज़ की विशेष किस्मों के लिए विख्यात है ऐसे में भारतीय चीज़ तोहफे में देना भारत की विकसित होती चीज़ निर्माण परंपरा को दर्शाता है

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्विट्ज़रलैंड के राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन को भारत में तैयार की गई चीज़ की तीन विशेष किस्में 'गुलमर्ग', 'कोणार्क' और 'यूर' भेंट की। इसके अलावा, उन्होंने स्विस राष्ट्रपति को कश्मीर की पारंपरिक कला को दर्शाने वाला अखरोट की लकड़ी से बना हस्तनिर्मित दीवार पैनल भी उपहार में दिया।

'गुलमर्ग' फ्रांसीसी शैली का नरम और क्रीमी चीज़ है, जिसे पाश्चुरीकृत गाय के दूध से तैयार किया जाता है। इसे 2026 के 'मुंडियल डू फ्रॉमाज डू ब्राजील' में 'सुपर गोल्ड' सम्मान मिला है। 'कोणार्क' फ्रांसीसी टोम शैली का चीज़ है, जिसे 2023 में नॉर्वे में आयोजित 'वर्ल्ड चीज़ अवाड्र्स' में स्वर्ण और 2025 में स्विट्ज़रलैंड में रजत सम्मान मिला था।

'यूर' पर्वतीय शैली का चीज़ है, जिसे स्विस ग्रुईयर से प्रेरणा लेकर तैयार किया गया है। इसे करीब आठ से नौ महीने तक परिपक्व किया जाता है, जिससे इसमें मेवों, मिठास और जड़ी-बूटियों जैसे स्वाद विकसित होते हैं। इसकी अच्छी तरह पिघलने की विशेषता के कारण इसका इस्तेमाल फोंड्यू और ग्रिल किए जाने वाले व्यंजनों में भी किया जा सकता है।

- ये तीन प्रकार की चीज़ है गुलमर्ग, कोणार्क और यूर।
- इसके अलावा प्र.मंत्री मोदी ने स्विस राष्ट्रपति को कश्मीरी अखरोट की लकड़ी से बना पैनल भी तोहफे में दिया।

स्विट्ज़रलैंड दुनिया भर में चीज की अपनी विविध किस्मों के लिए प्रसिद्ध है। ऐसे में भारतीय चीज की इन तीन विशेष किस्मों को भेंट करना भारत की समृद्ध और विकसित होती चीज़ निर्माण परंपरा की झलक पेश करता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्विस राष्ट्रपति की पत्नी को गुजरात की पारंपरिक कला एवं शिल्प को दर्शाने वाला कच्छी शॉल और सादेली बॉक्स भी भेंट किया। सूरत का सादेली बॉक्स बारीक ज्यामितीय डिजाइनों के लिए जाना जाता है, जबकि कच्छी शॉल अपनी पारंपरिक बुनाई और विशिष्ट ज्यामितीय रूपांकनों के लिए प्रसिद्ध है। स्विस राष्ट्रपति को भेंट किए गए कश्मीरी अखरोट की लकड़ी के दीवार पैनल पर कश्मीर के पारंपरिक परिदृश्य, वनस्पतियों, मानव आकृतियों, घोड़ों, गाड़ियों और ग्रामीण जीवन के दृश्यों को हाथ से उकेरा गया है। यह कश्मीर की सदियों पुरानी लकड़ी पर नक्काशी की परंपरा और स्थानीय कारीगरों के कौशल को दर्शाता है।

राज्यसभा चुनाव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पूर्वी उत्तर प्रदेश के दलित नेता विद्यासागर सोनकर पूर्व लोकसभा सांसद और एमएलसी रह चुके हैं। उन्होंने भाजपा के महासचिव के रूप में भी काम किया है।

भाजपा ने ऐसे नेताओं को भी उम्मीदवार बनाया है, जिन्हें पार्टी संगठन में काम करने का अनुभव है। इनमें प्रकाश पाल और राम प्रताप सिंह चौहान शामिल हैं। ओबीसी पाल समुदाय से आने वाले प्रकाश पाल पहले पार्टी के कानपुर-बुंदेलखंड संगठन क्षेत्र के प्रमुख रह चुके हैं। चौहान को जून 2026 में हुए फेरबदल में राज्य महासचिव बनाया गया था और अगस्त में उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संगठन क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई थी। इन उम्मीदवारों के चयन में जातीय प्रतिनिधित्व और पार्टी संगठन में अनुभव, दोनों को ध्यान में रखा गया है। ये निर्णय 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की तैयारी को मद्देनज़र रखते हुए लिए गए हैं।

ज्ञानेश के निलंबन पर सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र व चुनाव आयोग को नोटिस दिया

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने का एकतरफा अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े कई फैसले एकतरफा लिए जाने के आरोपों पर पहले चुनाव आयोग और अन्य संबंधित पक्षों का जवाब मांगा जाना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने केन्द्र सरकार, निर्वाचन आयोग और ज्ञानेश कुमार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

- हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने निलंबन पर अंतरिम आदेश देने से इन्कार कर दिया

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि नागरिकों के वोटिंग अधिकार खतरे में हैं और मुख्य निर्वाचन आयुक्त पक्षपात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में यह वोटर्स का 30 प्रतिशत है। बंगाल में यह वोटर्स का 25 प्रतिशत था। अपीलेट ट्रिब्यूनल के पास 16 लाख अपीलें लंबित हैं। उन लोगों को पहले ही एक चुनाव प्रक्रिया से बाहर रखा जा चुका है। अब एक और चुनाव आ गया है।

मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि यह किसी खास राज्य तक सीमित नहीं है। राज्य का इस्तेमाल सिर्फ एक उदाहरण के तौर पर किया जा रहा है। हम हाल के चुनावों पर ध्यान दिला रहे हैं। यह मुख्य निर्वाचन आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के राष्ट्रीय कामकाज और चुनाव आयोग के कामकाज से जुड़ा मामला है।

उस गैर-कानूनी काम को एक असंवैधानिक कानून के जरिए बचाया जा रहा है। इस तरह के पक्षपाती व्यवहार के लिए क्या सजा है? मैं खुद से यह सवाल पूछती हूं। हम इस देश में आजाद और निष्पक्ष चुनावों के माहौल में बड़े हुए हैं। आज वे नहीं रहे। मैं इन मांगों पर कायम हूं, हर एक मांग पर। यह एक राष्ट्रीय समस्या है।

ज्ञानेश कुमार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दो महीनों के दौरान 10 अक्टूबर से 26 नवंबर तक एआईसीसी और प्रदेश कांग्रेस कमेटियां 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस और विरोध मार्च आयोजित करेंगी।

10-20 अक्टूबर को ब्लॉक स्तर पर मार्च होगा, जिसका समापन एसडीएम कार्यालयों पर होगा।

25 अक्टूबर-25 नवंबर को हर गांव में ग्राम चौपाल आयोजित की जाएगी। इनमें हमारे कार्यकर्ता मोदी-शाह के 'वोट चोरी' के तौर-तरीकों के बारे में लोगों को बताएंगे और गांव के नेताओं तथा प्रमुखों को आमंत्रित किया जाएगा। बीएलए, यानी हमारे 'वोट रक्षक,' का काम होगा गलत तरीके से हटाए गए प्रत्येक मतदाता की पहचान करना और उनका नाम दोबारा मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना।

1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की बड़ी रैली होगी।

25 से 26 नवंबर तक कांग्रेस को 'दिल्ली चलो' वाहन रैली आयोजित करेगी, जिसका समापन 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर दिल्ली में होगा।

कांग्रेस ने कहा, हमारी लड़ाई अंतिम परिणाम तक जारी रहेगी। जब तक ज्ञानेश को हटाया या गिरफ्तार नहीं किया जाता और उनके खिलाफ मुकदमा नहीं चलाया जाता, हम सड़कों पर लड़ते रहेंगे।

पंजाब के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पंजाब के लोगों को पंजाब सरकार की ओर से दी जा रही सुविधाएं मिलती रहें। चाहे वह मुफ्त बिजली हो, नहर का पानी हो, कैशलैस इलाज हो या महिलाओं के खातों में आर्थिक सहायता भेजना हो। केन्द्र ने पंजाब के फंड रोक रखे हैं। इसके बावजूद, पंजाब सरकार अपने पैसों से लोगों को कई तरह की सुविधाएं दे रही है। केन्द्र सरकार को लगता है कि जब तक ये सुविधाएं लोगों तक पहुंचती रहेंगी, तब तक उसे पंजाब में राजनीतिक फायदा नहीं मिल पाएगा। इसी वजह से पंजाब सरकार की टीम को निशाना बनाया जा रहा है।

इमरजेंसी के बाद ब्रिटिश एयरवेज की शिकागो फ्लाइट वापस लंदन लौटी

लंदन, 05 अक्टूबर। लंदन से शिकागो जा रही ब्रिटिश एयरवेज की एक फ्लाइट में सोमवार को अचानक इमरजेंसी घोषित करनी पड़ी। उड़ान के दौरान कुछ ही समय में विमान की ऊंचाई करीब 28,000 फीट कम हो गई। दरअसल, विमान आयरलैंड के ऊपर उड़ रहा था और करीब 37,000 फीट की ऊंचाई पर था। अचानक विमान की ऊंचाई घटाकर करीब 9,000 फीट कर दी गई। इसके बाद फ्लाइट को वापस लंदन की ओर मोड़ दिया गया।

ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट बीए295 लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से शिकागो के लिए रवाना हुई थी। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट के मुताबिक, विमान ने 7700 इमरजेंसी कोड इस्तेमाल किया। इसके बाद विमान को शिकागो जाने के बजाय वापस लंदन लाया गया।

प.बंगाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक), वाम दलों, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ), ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) समेत, कई दलों के उम्मीदवार मैदान में हैं। अधिकांश सीटें 2026 के विधानसभा चुनाव में दो सीटों से निर्वाचित प्रतिनिधियों के एक सीट छोड़ने अथवा विधायक पद से इस्तीफा देने के कारण रिक्त हुई हैं।

फ्लाई दुबई विमान को हाइजैक करने की कोशिश "लोन वुल्फ अटैक" थी

इज़रायल ने दावा किया कि ओमानी को-पायलट अल हमामी ने अकेले ही इस साजिश को अंजाम दिया

तेल अवीव, 05 अक्टूबर। इज़रायल की प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि फ्लाईदुबई के विमान को हाईजैक करने की कथित कोशिश शायद एक लोन-वुल्फ हमला था। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को विमान के यात्रियों और फ्लाइट कैप्टन ने बताया कि बुधवार को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाइट जब इज़रायल के पास पहुंच रही थी, तब को-पायलट ने कथित तौर पर फ्लाइट कैप्टन को चाकू मारा और विमान को क्रैश करने की कोशिश की।

को-पायलट अभी संयुक्त अरब अमीरात (यूईए) में है। वहां उससे इज़रायल के अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। इससे पहले सऊदी अधिकारियों ने भी उससे पूछताछ की। इज़रायल ने जांच में शामिल होने के लिए अपने प्रतिनिधि यूएई भेजे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि "जो मैंने सुना है, उसके आधार पर" हो सकता है कि को-पायलट का संबंध ईरान से हो।

- को-पायलट अभी यूएई में ही है और इज़रायल के अधिकारी वहीं उससे पूछताछ कर रहे हैं।
- इज़रायल ने दावा किया हमलावर को-पायलट आत्मघाती था, पकड़े जाने पर वह चिल्ला रहा था मुझे मार डालो।

इससे पहले नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि को-पायलट के मकसद का अभी तक पता नहीं चल पाया है। नेतन्याहू ने गुरुवार को कहा कि इज़रायल को पता था कि को-पायलट इस्लामिक कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित था।

उन्होंने कहा कि हमलावर "आत्मघाती" था और जब क्रू के अन्य सदस्यों और यात्रियों ने उसे काबू किया, तो वह चिल्लाया: "मुझे मार डालो, मुझे मार डालो!" फ्लाइट के को-पायलट की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है, हालांकि जांच से जुड़े कई सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि उसका नाम हमम अल-हमामी है।

सूत्रों के अनुसार, अल-हमामी ने कुछ समय के लिए ओमान एयर के लिए काम किया। यहां उसने नए पायलट की ट्रेनिंग शुरू की थी। सूत्रों ने बताया कि ओमान सरकार की निगरानी में पता चला कि वह कट्टरपंथी वेबसाइटें देखता था। इसके बाद ओमान एयर ने उसे ऑफिस से अटैच कर दिया। इसके बाद अल-हमामी ने इस्तीफा दे दिया। उसने 2024 के आसपास एयरलाइन छोड़ दी।

सूत्रों ने बताया कि कुछ समय पहले अल-हमामी ने दुबई में एलअल इज़रायली एयरलाइंस के विमानों का एक वीडियो पोस्ट किया था। इसके आखिर में अल-कायदा के प्रमुख नेता अयमान अल-जवाहिरी की तस्वीर थी। जवाहिरी 2022 में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया था। बताते हैं कि अल-हमामी को फ्लाईदुबई ने ओमान सरकार से उसकी जांच-पड़ताल किए बिना ही उसे नौकरी पर रख लिया।

सूत्रों ने बताया कि अल-हमामी ओमान का नागरिक है, लेकिन उसका जन्म ओमान में नहीं हुआ। उसने अपनी जिंदगी का ज्यादा समय ओमान के बाहर बिताया।

उसकी मां सीरियाई और पिता ओमान के नागरिक हैं। ओमान सरकार ने सार्वजनिक रूप से उसकी नागरिकता की पुष्टि नहीं की है। सूत्रों का कहना है कि हो सकता है कि उसके पास दोहरी नागरिकता हो।

'ममता बनर्जी का मेडिकल रिकॉर्ड किसकी अनुमति से सार्वजनिक किया?'

कोलकाता, 05 अक्टूबर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की 2021 की पैर की चोट को लेकर पांच साल बाद फिर विवाद खड़ा हो गया है। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने दावा किया है कि ममता की चोट को लेकर सामने आई 11 मार्च 2021 की मेडिकल रिपोर्ट में पैर में फ्रैक्चर का कोई सबूत नहीं था। इसके बाद ममता बनर्जी के वकील अर्क नाग ने मेडिकल रिकॉर्ड कथित तौर पर बिना अनुमति सार्वजनिक किए जाने को लेकर एसएसकेएम अस्पताल और बांगुर इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज को कानूनी नोटिस भेजा है। इस पूरे मामले में अब मेडिकल रिपोर्ट की सामग्री के साथ ही, उसे सार्वजनिक किए जाने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं।

ममता के वकील ने पूछा है कि उनकी मुवक्किल के मेडिकल रिकॉर्ड मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी तक कैसे पहुंचे और बाद में सार्वजनिक कैसे किए गए। नोटिस में पूछा गया है कि क्या इन मेडिकल रिपोर्ट को सार्वजनिक करने के लिए किसी अदालत का आदेश मौजूद था।

आकाश आनंद तीसरी बार बसपा में लौट कर राष्ट्रीय संयोजक बने

मायावती ने कहा कि आकाश आनंद के व्यक्तित्व व कार्यशैली में काफी बदलाव दिख रहा है

लखनऊ, 05 अक्टूबर। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को एक बार फिर अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी में वापस लिया है तथा पार्टी में राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी है। आकाश आनंद की यह तीसरी बार वापसी है।

पूर्व मुख्यमंत्री व पार्टी की प्रमुख मायावती ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि "बहुजन समाज" ही मेरा विराट परिवार है और उनका हित व कल्याण मेरे लिये सर्वोपरि है और हमेशा ही रहेगा। इसी को मद्देनज़र रखते हुये, ख़ासकर पार्टी में अनुशासन बनाये रखने के लिये ही, अनेक सख्त फैसले लिए गये हैं। उन्होंने आगे कहा कि अशोक सिद्धार्थ को राजनीति से संन्यास लेने के लिए मजबूर भी होना पड़ा है, जिसके बाद से आकाश आनन्द के व्यक्तित्व व कार्यशैली आदि में काफी कुछ बदलाव भी देखने को मिले हैं।

- बसपा राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि पार्टी के अधिकांश लोगों के अनुरोध को स्वीकार करके उन्होंने यह फैसला लिया है। आकाश आनंद के छोटे भाई ईशान आनंद ने भी इस कदम के लिये सहमति जताई है।

मायावती ने कहा कि इस संबंध पार्टी के अधिकांश लोगों का यही कहना है कि आकाश आनन्द के अनुरोध को स्वीकार करते हुये उनकी पूर्व में दी गई ज़िम्मेवारियों के साथ इनको पार्टी में पुन: कार्य करने का मौक़ा दे रही हैं। उम्मीद है कि अशोक सिद्धार्थ द्वारा राजनीति से संन्यास लेने के बाद से अब पार्टी में सब कुछ ठीक व सुचारू ढंग से चलेगा और पार्टी संगठन में भी बार-बार परिवर्तन नहीं करना पड़ेगा, हालाँकि यह काफी कुछ आकाश आनन्द के ऊपर भी निर्भर करेगा। ज़रूर निभायेंगे।

मायावती ने कहा कि काफी सोच-विचार करने के बाद पार्टी व मूवमेन्ट के हित में, वे आकाश आनन्द को पुन: बसपा का राष्ट्रीय संयोजक बनाकर इनको फिर से पार्टी में कार्य करने का मौक़ा दे रही हैं। उम्मीद है कि अशोक सिद्धार्थ द्वारा राजनीति से संन्यास लेने के बाद से अब पार्टी में सब कुछ ठीक व सुचारू ढंग से चलेगा और पार्टी संगठन में भी बार-बार परिवर्तन नहीं करना पड़ेगा, हालाँकि यह काफी कुछ आकाश आनन्द के ऊपर भी निर्भर करेगा।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालौर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424, हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908